A.B.M. COLLEGE ,JAMSHEDPUR

(PHILOSOPHY)

INTERMEDIATE (CHAPTER 1)

भारतीय दर्शन की प्रकृति ,उदेश्य ,विशेषताएँ नीति एवं समप्रदाय

By DR SONI SINHA (DEPT OF PHILOSOPHY) A.B.M.COLLEGE

- प्रश्न 1) पुरुषार्थ क्या है ?

उत्तर 1) पुरुषार्थ मानव जीवन का साधन–साध्य है ।

- प्रश्न 2) भारतीय दर्शन किस्में विश्वास रखता है ?

उत्तर 2) भारतीय दर्शन आत्मा में विश्वास रखता है ।

- प्रश्न 3) धर्म की नियन्त्रण व्यवस्था क्या है ?

उत्तर 3) धर्म मानव और समाज दोनों का नियन्त्रण करता है ।

- प्रश्न 4) मोक्ष के दो प्रकार कौन–से है ?

उत्तर 4) मोक्ष के दो प्रकार जीवन और विदेह हैं ।

- प्रश्न 5) धर्म का व्यापक अर्थ क्या है ?

उत्तर 5) धर्म का व्यापक अर्थ कर्त्तव्य है ।

- प्रश्न 6) दर्शन शब्द किस्से व्युत्पन्न है ?

उत्तर 6) दर्शन शब्द द्रश् धातु से उत्पन्न है ।

- प्रश्न 7) परमात्मा कैसे अवतरित होता है ?

उत्तर 7) परमात्मा व्यैक्तिक आत्मा के रूप में अवतरित होता है ।

- प्रश्न 8) भारतीय दर्शन ने आत्मा को क्या माना है ?

उत्तर 8) भारतीय दर्शन ने आत्मा को ब्रह्म ,आनंद एवं ज्ञान माना है ।

- प्रश्न 9) भारतीय दर्शन क्या नहीं है ?

उत्तर 9) भारतीय दर्शन निराशावादी नहीं है ।

- प्रश्न 10) भारतीय दर्शन के कौन दो सम्प्रदाय है ?

उत्तर 10) भारतीय दर्शन में नास्तिक और आस्तिक सम्प्रदाय है ।

- प्रश्न 11) भारतीय दर्शन दुःख का मूल कारक किसे मानता है ?

उत्तर 11) भारतीय दर्शन दुःख का मूल कारक अविधा को माना है ।

- प्रश्न 12) भारतीय दर्शन की प्रवृति कैसी है ?

उत्तर 12) भारतीय दर्शन की प्रवृत्ति व्यावहारिक है ।

- प्रश्न 13) ''पशतये अनेन इति दर्शनम्'' किसकी परिभाषा है ?

उत्तर 13) भारतीय दर्शन में इसे दर्शन शास्त्र की परिभाषा है ।

- प्रश्न 14) यथार्थ ज्ञान कहलाता है ?

उत्तर 14) यथार्थ ज्ञान प्रमा कहलाता है ।

- प्रश्न 15) दर्शनशास्त्र के विषय क्या है ?

उत्तर 15) दर्शन शास्त्र के विषय पृथ्वी ,पाताल एवं आकाश हैं ।

- प्रश्न 16) दर्शनशास्त्र के अंग्रेजी रूपान्तरण क्या है ?

उत्तर 16) दर्शनशास्त्र का रूपान्तरण फिलॉसफी है ।